उत्तराखण्ड मुक्त विष्वविद्यालय, हल्द्वानी
महत्वपूर्ण उपलब्धियाँः जून, 2018

दिव्यांगों के शिक्षा संवर्द्धन हेतु शिक्षकों का प्रशिक्षण

कार्यशाला को संबोधित करते डॉ0 रमेश पोखरियाल 'निशंक', पूर्व मुख्यमंत्री उत्तराखंड एवं सांसद हरिद्वार लोकसभा

केन्द्रीय सामाजिक न्याय अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार एवं भारतीय पुनर्वास परिषद, नई दिल्ली के सहयोग से उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी द्वारा देहरादून जिले के डोईवाला ब्लाक के प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत लगभग 42 शिक्षक एवं शिक्षिकाओं 40 प्रशिक्षु अध्यापकों को विभिन्न विकलांगताओं यथा मानसिक मंदता, नेत्रहीनता, मूक-बधिर एवं पढ़ने में अक्षमता से ग्रसित बच्चों हेतु विशिष्ट शिक्षा के प्रति एवं निशक्तजनों के पुनर्वास एवं रोजगार सम्बन्धी प्रावधानों व केन्द्र-राज्य सरकारों द्वारा किये जा रहे प्रयासों के सम्बन्ध में जानकारी के प्रति जागरूक करने हेतु एक कार्यशाला का आयोजन हिमालय आयुर्वेदिक चिकत्सा महाविद्यालय, फतेहपुर, डोईवाला में दिनाँक 12-14 जून 2018 को किया गया| कार्यशाला का उद्घाटन डॉ रमेश पोखरियाल 'निशंक' जी, पूर्व मुख्यमंत्री उत्तराखंड एवं सांसद हरिद्वार लोकसभा, अध्यक्ष संसदीय सरकारी आश्वासन समिति, भारत सरकार एवं प्रो. नागेश्वर राव, कुलपति, उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी और सच्चिदानंद भारती, प्रणेता पानी राखो आंदोलन ने दीप प्रज्ज्वलन से किया|

कार्यशाला में दीप प्रज्ज्वलन करते डॉ0 रमेश पोखरियाल 'निशंक', कुलपति नागेश्वर राव व अन्य

उद्घाटन सत्र में अपने संबोधन में श्री रमेश पोखरियाल 'निशंक' ने दिव्यांग लोगों को शैक्षिक गतिविधियों में भाग लेने पर अवसर देने पर जोर दिया| कुलपति, प्रो. नागेश्वर राव ने अपने संबोधन में

दिव्यांगों कों शिक्षा और समाज में सम्मान देने पर बल दिया | सच्चिदानंद भारती द्वारा अपने संबोधन में दिव्यांगजनों से शिक्षा के साथ साथ पर्यावरण के संरक्षण के लिए आगे आने की अपील की और बताया कि इस प्रकार के प्रशिक्षण सामान्य शिक्षकों के लिए लाभकारी होते हैं| कार्यशाला के संयोजक एवं उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के विशिष्ट शिक्षा विभाग के कार्यक्रम प्रभारी डॉ. सिद्धार्थ कुमार पोखरियाल ने कार्यशाला के विषय, रूपरेखा एवं महत्व पर प्रकाश डाला उन्होंने बताया कि कार्यशाला का उद्देश डोईवाला ब्लाक के विभिन्न प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षक एवं शिक्षिकाओं को विकलांग बच्चों एवं निशक्तजनों के लिए क़ानूनी प्रावधान,विशिष्ट शिक्षा का प्रबंध, उनमे विकलांगता की पहचान करना एवं सामान्य विद्यालयों में समावेशी शिक्षा के अंतर्गत उनको प्रवेश देना उनके शैक्षिक अधिकारों ,पुनर्वास सम्बन्धी अधिकारों एवं नई तकनीकियों के माध्यम से शिक्षण एवं केन्द्र-राज्य सरकारों द्वारा किये जा रहे प्रयासों के बारे में जानकारी देना है| उद्घाटन सत्र में दिव्यांगजनों की शिक्षा एवं पर्यावरण के क्षेत्र में कार्य कर रहे विभिन्न प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया|

कार्यशाला में प्रतिभाग करते शिक्षक

प्रतिभागियों, ऋषिकेश पब्लिक स्कूल के प्रधानाचार्य श्री एस.एस.भण्डारी एवं गंगोत्री विद्या निकेतन, बपुग्राम की सहायक अध्यापिका साधना ध्यानी ने अपेक्षा की कि इस कार्यशाला के द्वारा से शिक्षकों को दिव्यांग बच्चों को सामान्य विद्यालयों में पढ़ाने से सम्बंधित तकनीकी के प्रशिक्षण का लाभ मिलेगा| और उनके पठन पाठन से सम्बंधित विभिन्न जानकारी का लाभ वो ले सकेंगे|

कार्यशाला के तकनीकी सत्रों में अनमोल फाउंडेशन के निदेशक श्री सतीश चौहान ने प्रतिभागियों को विकलांगता को परिभाषित करते हुए इसके प्रकारों एवं विकलांगता के प्रति बनी अवधारणाओं कों स्पष्ट किया| और भारतीय पुनर्वास परिषद् एक्ट १९९२ के बारे में विस्तार से बताया| कार्यशाला के दूसरे दिवस दिनाँक 13 जून 2018 को कार्यशाला के दूसरे दिवस के सत्रों में विषय विशेषज्ञ मुरली सिंह द्वारा विकलांगता के हस्तक्षेपन में कार्य करने वाले विशेषज्ञों की भूमिका और उत्तरदायित्वों के विषय में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की|विषय विशेषज्ञा श्रीमती मीनाक्षी चौहान ने प्रतिभागियों को विकलांगता के कारण बच्चों में होने वाली मानसिक बीमारी, उसका मनोसामाजिक प्रभाव के विषय में बताया नेत्रहीन बच्चों के लिए ब्रेल लिपि के विषय में बताया| सतीश चौहान द्वारा द्वारा मूक बधिर व्यक्ति और बच्चों

को Sign language (प्रतीकों के माध्यम अथवा इशारों द्वारा भाषा की अभिव्यक्ति) से अध्यापन की विधि बताई और उनका अभ्यास कार्यशाला के प्रतिभागियों को उनका अभ्यास करवाया| सविता सिंह ने समावेशी शिक्षा के सन्दर्भ में केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा किये जा रहे प्रयासों की जानकारी दी साथ ही निशक्तजन के लिए बाधा रहित पर्यावरण निर्माण एवं रोजगार सर्जन के विषय में बतलाया|

कार्यशाला को सम्बोधित करते मा0 कुलपति प्रो0 राव

कार्यशाला के तृतीय दिवस दिनाँक 14 जून, 2018 के तकनीकी सत्रों में विषय विशेषज्ञ सतीश चौहान ने बाधा रहित वातावरण, समावेशन के विषय पर जानकारी दी और विकलांगता का परिवार पर पड़ने वाले प्रभाव को बताया|साथ ही विकलांग बच्चों के चिन्हीकरण, शैक्षिक पुनर्वास एवं उपचारार्थ हेतु शीघ्र हस्तक्षेपन केन्द्र (Early Intervention Centre) के विषय में बताया| सविता सिंह द्वारा कार्यशाला के प्रतिभागियों को राष्ट्रीय न्यास के द्वारा चलायी जा रही योजनाओं एवं UNCRPD के विषय में जानकारी दी |

कार्यशाला के समापन सत्र में हे.न.ब.गढ़वाल विश्वविद्यालय के बी.एड. विभाग पौड़ी परिसर की प्राध्यापिका निधि बड़थ्वाल ने कार्यशाला में आये प्रतिभागियों को प्रतिभाग का प्रमाण पत्र प्रदान किया|इससे पूर्व अपने संबोधन में निधि बड़थ्वाल ने उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी और भारतीय पुनर्वास परिषद्, नई दिल्ली द्वारा दिव्यांगता के क्षेत्र में किये जा रहे प्रयासों की सराहना की और इस प्रकार के आयोजन को दूरस्थ और दुर्गम क्षेत्रों के लिए आवश्यक बताया| विषय विशेषज्ञ सतीश चौहान ने ब्रेल लिपि कों समझाया| मुरली सिंह द्वारा ऑडियोमीटर के माध्यम से वाक् जांच का प्रशिक्षण का प्रदर्शन किया| प्रतिभागी शिक्षक श्री हेमचंद रयाल द्वारा इस प्रकार की कार्यशाला कों उपयोगी बताया| और जो कुछ क्रियाकालाप और प्रशिक्षण प्राप्त किये उसको समावेशी शिक्षा के अंतर्गत प्रयोग में लाने की बात बोली| प्रतिभागी शिक्षिका श्रीमती भावना ने बताया कि दिव्यांग बच्चों को पढ़ाने हेतु नई तकनीकी का ज्ञान और उनके अभिभावकों को दिव्यांग बच्चों के अधिकारों को जागरूक करने में इस कार्यशाला के माध्यम से प्रतिभागी शिक्षक एवं शिक्षिकाओं को सहायता मिलेगी| कार्यक्रम के अंत में कार्यशाला के संयोजक एवं उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के विशिष्ट शिक्षा विभाग के कार्यक्रम प्रभारी डॉ. सिद्धार्थ कुमार पोखरियाल ने आमंत्रित मुख्य अतिथि, विषय विशेषज्ञों एवं डोईवाला ब्लाक के

प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षक एवं शिक्षिकाओं का धन्यवाद एवं आभार प्रकट किया|

परीक्षा

- विश्वविद्यालय की वार्षिक/सेमेस्टर परीक्षा- जून 2018 में **दिनांक 01 जून 2018 से 28 जून 2018 तक 22 दिवसों में, प्रदेश के 60 परीक्षा केन्द्रों में आयोजित की गई** जो शांतिपूर्वक सम्पन्न हुई। इस परीक्षा में कुल 55,966 परीक्षार्थी सम्मिलत हुए। जिसका विवरण निम्नवत् है।

Year	Main Exam	Back Paper	Improvement	Total
June 2018	48545	7230	191	55966

- शिक्षा का प्रचार-प्रसार करने के उद्देश्य से जून 2018 की परीक्षाओं हेतु परीक्षा केन्द्रों की संख्या 54 से बढ़ाकर 60 कर दी गई है। पहाड़ी क्षेत्रों में 43 परीक्षा केन्द्रों का चिन्हीकरण किया गया जिनमें से 27 अति दुर्गम क्षेत्रों में स्थित हैं।
- जून 2017 में 26 कार्य दिवसों में परीक्षाएं आयोजित की गई जिसे जून 2018 में 22 कार्य दिवसों में समायोजित कर दिया गया है। जिससे कि समय से परीक्षाएं खत्म होने के उपरान्त छात्र आगे की तैयारी (नौकरी या आगे की पढ़ाई) की प्रक्रिया प्रारम्भ कर सके।
- विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित तीन दीक्षांत समारोहों (सत्र 2014-15, 2015-16, 2016-17) में प्रदान की गई उपाधियों को छात्रों को प्रेषण करने हेतु उनके आवेदन प्राप्त करने के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया का निर्माण अपने अन्तिम चरण में है। इसके निर्माण के उपरान्त उपाधियॉ प्रेषण करने से पूर्व ही छात्र अपने व्यक्तिगत जानकारियों का सत्यापन कर सकेंगे।
- विश्वविद्यालय द्वारा परीक्षा केन्द्रों से उत्तरपुस्तिकाओं का संकलन 03 चरणों में (प्रथम : दिनांक 01 जून से 09 जून तक, द्वितीय: दिनांक 11 से जून 20 जून तक व तृतीय दिनांक 21 जून से 28 जून तक) किया गया।
- प्रथम चरण की प्राप्त उत्तर पुस्तिकाएं मूल्यांकन हेतु प्रेषित कर दी गई हैं, शेष पर कार्य प्रगति से चल रहा है।

राष्ट्रीय अकादमिक डिपॉजिटरी (NAD) पोर्टल

विश्वविद्यालय द्वारा उपाधियों की प्रविष्ठि व सत्यापन हेतु राष्ट्रीय अकादमिक डिपॉजिटरी (NAD) पोर्टल में Maker व Checker का निर्माण किया जा चुका है। राष्ट्रीय अकादमिक डिपॉजिटरी) पोर्टल पर कार्य करने से सम्बन्धित विस्तृत जानकारी हेतु राष्ट्रीय अकादमिक डिपॉजिटरी के कार्मिकों के साथ प्रदर्शन व्याख्यान (Demo Lecture) भी किया गया।

इस हेतु विश्वविद्यालय के डॉ0 सुमित प्रसाद, सहायक प्रध्यापक, प्रबंध व श्री नवनीत मेहरा, तकनीकी परामर्शदाता द्वारा उपाधियों के ऑनलाइन करने हेतु यू0जी0सी0, नई दिल्ली द्वारा आयोजित की गई एन0ए0डी0 (NAD) से सम्बंन्धित संगोष्ठी में दिनांक 21 जून 2018 को प्रतिभाग किया गया। विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की गई उपाधियों में से लगभग 1800 उपाधियॉ सत्यापन हेतु NAD टेस्ट पोर्टल पर अपलोड की जा चुकी हैं। CDSL द्वारा उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय को NAD वैबसाइट के लाइव पोर्टल पर भी लॉग इन आई0डी0 प्रदान की जा चुकी है।

पाठ्य सामग्री वितरण

विश्वविद्यालय में पंजीकृत छात्रों को अध्ययन सामग्री प्रदान की जाती है। विश्वविद्यालय के शीतकालीन सत्र 2018–18 में पंजीकृत छात्रों को प्रेषित अध्ययन सामग्री का विवरण निम्नवत् है–

Book Distribution Status Previous Session (2018-18-Winter)

Total Students	19012
Regional Centre	**Issued Books**
11 Dehradun	4311
12 Roorkee	2118
14 Pauri	226
15 Uttar Kashi	702
16 Haldwani	2377
17 Ranikhet	1175
18 Pithoragarh	309
19 Bageshwar	239
Books Packed/Dispatched For	11457

उपर्युक्त तालिका में विभिन्न पाठ्यक्रमों में, 08 क्षेत्रीय केन्द्रों में सेमेस्टर आधारित पाठ्यक्रमों में पंजीकृत विद्यार्थियों को प्रेषित की जाने वाली अध्ययन सामग्री का विवरण उल्लिखित है। वार्षिक पाठ्यक्रमों में पंजीकृत समस्त छात्रों को वितरित की जाने वाली अध्ययन सामग्री प्रेषण कार्य माह जून पूर्ण कर लिया जायेगा।

योग प्रशिक्षण एवं जागरूकता

दिनांक- 21 जून 2018 को चतुर्थ अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के शुभ अवसर पर स्वास्थ विज्ञान विद्याशाखा, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी के योग विभाग ने भी विश्वविद्यालय मुख्यालय में एक 'योग महोत्सव' कार्यक्रम का आयोजन किया। इस आयोजन को तीन चरणों में विभाजित किया गया था।

योग दिवस में प्रतिभाग करते योग विषय के विद्यार्थी

विश्व योग दिवस के प्रथम चरण के रूप में 'कॉमन योग प्रोटोकॉल' के अन्तेर्गत सुबह 7.00 से 8.00 बजे तक योगाभ्यास का आयोजन किया गया। इस सत्र का उदघाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर नागेश्वर राव, कुलसचिव प्रो0आर0 सी0 मिश्र तथा योग विभाग के समन्वयक डॉ० भानु प्रकाश जोशी ने दीप प्रज्जवलन के साथ किया। इस अवसर पर कुलपति, कुलसचिव सहित विश्वविद्यालय के अनेक शिक्षक एवं कार्मिकों के अतिरिक्त बड़ी संख्या में छात्र, प्रशिक्षार्थी एवं आस पास के स्थानीय लोग उपस्थित थे। सभी ने विश्वविद्यालय के शिक्षार्थियों तथा प्रशिक्षुओं की देखरेख में योगाभ्यास किया।

विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत शिव तांडव

'योग महोत्सव' के द्वितीय चरण के रूप में योगासन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। योगासन प्रतियोगिता में 58 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। इस प्रतियोगिता में विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न कठिन एवं सहज आसनों का प्रदर्शन किया गया जिसका सुयोग्य निर्णायकों द्वारा आंकलन किया गया। इस प्रतियोगिता में विद्यार्थियों द्वारा बहुत उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया गया। आयोजन के समन्वयक डॉ० भानु प्रकाश जोशी ने सभी प्रतियोगियों का उत्साहवर्धन किया।

कार्यक्रम के तीसरे चरण में एक विचार-गोष्ठी का आयोजन किया गया, इस सत्र की अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर नागेश्वर राव ने की। कार्यक्रम का आरम्भ योग विभाग की छात्राओं की शिव ताण्डव स्तोतत्र पर एक सुन्दर सांस्कृतिक प्रस्तुति (योग नाटिका) द्वारा किया गया। डॉ० भानु प्रकाश जोशी ने सभी उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों, प्रतिभागियों एवं निर्णायकों का स्वागत किया तथा सम्पूर्ण आयोजन की रूपरेखा प्रस्तुत की। स्वास्थय विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक एवं कुलसचिव प्रोफेसर आर०सी०मिश्र ने भारत की प्राचीन योग परम्पकरा का विश्लेषण करते हुए वर्तमान मानवीय जीवन की पूर्णता के लिए योग की आवश्यकता को रेखांकित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कुलपति प्रो०नागेश्वर राव ने सभी उपस्थित व्यक्तियों, शिक्षकों, कार्मिकों एवं विद्यार्थियों को अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस की शुभकामनाएं दी तथा योग विभाग की गतिविधियों से विद्यार्थियों को परिचित कराया।

विश्वविद्यालय के कुलपति, शिक्षकों, कर्मचारियों एवं योग विद्यार्थियों द्वारा योग दिवस पर योगासन करते हुए

इस अवसर पर योग विभाग द्वारा प्रारम्भ के स्तार के छात्रों के लिए क्रियात्मक अभ्यासों की 16 वीडियो सी0 डी0 का भी लोकार्पण किया गया तथा इन्हें विश्वविद्यालय की बेबसाइट में भी अपलोड किया गया।

इसके उपरान्त योगासन प्रतियोगिताओं में प्रथम द्वितीय तथा तृतीय स्तर पर सफल विद्यार्थियों को माननीय कुलपति जी द्वारा पुरस्कृत किया गया। विभिन्न प्रतियोगिताओं में पुरस्कृत विद्यार्थियों का विवरण निम्नत है :-

योगासन प्रतियोगिता-

प्रथम स्थान- कुशल देव सिंह , एम0 ए0 योग

द्वितीय स्थान – कु0 तनीषा, डसीला डिप्लोमा योग

तृतीय स्थान- मनोज सिह, एम0 ए0 योग

इसी क्रम में उत्ताराखण्ड् मुक्त विश्वविद्यालय के देहरादून परिसर में भी अन्तर्राष्ट्रीय योग महोत्सव का आयोजन किया गया जिसमें परिसर निदेशक प्रो0 दुर्गेश पन्त तथा विश्वविद्यालय कार्मिकों सहित स्थानीय लोगों ने भी उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। इसके अतिरिक्त उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के 15 अध्ययन केन्द्रों पर भी योग दिवस महोत्सव का आयोजन किया गया जिन आयोजनों में कामन योग प्रोटोकॉल के साथ- साथ विविध योग विषयक कार्यक्रम एवं प्रतियोगिताएं कराई गयीं।

दिनांक 20 जून 2018 एवं 21 जून 2018 को अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के अध्ययन केन्द्र जानकी देवी एजुकेशन वैलफियर सोसाइटी में दो दिवसीय योग शिविर का आयोजन किया गया जिसमें परिसर निदेशक देहरादून द्वारा प्रतिभाग किया गया। इस अवसर पर निदेशक, परिसर देहरादून द्वारा योग विषय पर वक्तव्य दिया गया।

अध्ययन केन्द्र जानकी देवी एजुकेशन वैलफियर सोसाइटी में दो दिवसीय योग शिविर में प्रतिभाग करते हुए विद्यार्थी

दिनांक 21 जून 2018 को अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर परिसर देहरादून में योग कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें मॉडल अध्ययन केन्द्र के योग काउन्सलर श्री अनिल थपलियाल जी द्वारा योग के इतिहास एवं उसके महत्व के बारे में एक व्याख्यान दिया गया। उन्होंने कहा कि शरीर के स्वस्थ रहने पर ही मस्तिष्क स्वस्थ रहता हैं और मस्तिष्क से ही शरीर की समस्त क्रियायें संचालित होती हैं। इस प्रकार हमारे शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक एवं आत्मिक विकास हेतु योगासन अति आवश्यक हैं।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के परिसर कार्यालय, देहरादून में आयोजित योग कार्यक्रम

विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिये गये गॉव मानपुर पश्चिम में योग शिविर

विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिये गये गॉव मानपुर पश्चिम में आयोजित योग शिविर में प्रतिभाग करते ग्रामीण

दिनांक 21 जून, 2018 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिये गये गॉव मानपुर पश्चिम की ग्राम प्रधान श्रीमती भागीरथी देवी जी के प्रयासों से एक सप्ताह का योग शिविर का आयोजन किया गया। योग शिविर का उदघाटन योग विभाग के विभागाघ्यक्ष डा० भानु प्रकाश जोशी जी द्वारा किया गया। योग शिविर का का आयोजन प्रतिदिन प्रात: 5 से 6:30 तक विभागाघ्यक्ष योग डा० भानु प्रकाश जोशी जी के निर्देशन में प्रारम्भ हुआ। दिनांक 21 जून से 27 जून तक रोज विभिन्न रोगों में योगाभ्यास व परामर्श दिया गया। योग शिविर में प्रतिदिन लगभग 60-70 लोगों ने प्रतिभाग किया। ग्राम प्रधान श्रीमती भागीरथी देवी जी ने भी शिविर में प्रतिदिन प्रतिभाग किया। योग शिविर में प्रमुख रूप से योग विभाग के विभागाघ्यक्ष डा० भानु प्रकाश जोशी का लाभ ग्रामवासीयों को प्राप्त हुआ। योग शिविर में श्री ललित मोहन, योग प्रशिक्षक उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, नीता दियोलिया, यशवन्त बहुगुणा का विशेष योगदान रहा।

सहज संस्कृत बोध पाठ्यक्रम ऑन-लाईन प्रारम्भ

विश्वविद्यालय द्वारा सहज संस्कृत बोध पाठ्यक्रम को प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों की सुविधा हेतु ऑन-लाईन कर दिया गया है। पाठ्यक्रम का लोकार्पण दिनांक 25 जून, 2018 को श्री मुकुल कानितकर द्वारा माननीय कुलपतिजी की अध्यक्षता में किया गया। यह पाठ्यक्रम निशुल्क व सभी के लिए संस्कृत सीखने योग्य बनाया गया है। इस पाठ्यक्रम में घरेलू उपयोग की सामग्रियों के संस्कृत के नाम के साथ-साथ शरीर के विभिन्न अंगों की संस्कृत नामावली का सचित्र वर्णन करते हुए व्यावाहारिक संस्कृत को संवादपरक बनाकर अत्यन्त सरल भाषा में प्रस्तुत किया गया है। इसके ऑन-लाईन अध्येता निशुल्क पंजीकरण करते हुए प्रशनोत्तर के माघ्यम से संस्कृत सीखेगें। जिन्हे संस्कृत भाषा के प्रारम्भिक स्वरूप का भी ज्ञान नहीं है ऐसे लोगों के लिए यह पाठ्यकम बहुत उपयोगी सिद्व होगा। यह पाठ्यक्रम प्राचीन भाषाओं को बढ़ावा देने व युवाओं को संस्कृत भाषा के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने हेतु प्रारम्भ किया

गया है। इसके अतिरिक्त इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के उपरांत युवाओं को स्वरोजगार में सहायता प्राप्त हो सकेगी।

पाठ्य सामग्री निर्माण

विश्वविद्यालय में संचालित किए जा रहे पाठ्यक्रमों की स्व अध्ययन सामग्री के इकाई लेखन व संपादन का कार्य किया जा रहा है। निम्न पाठ्यक्रमों की स्वअध्ययन सामग्री के निर्माण व संपादन के कार्य का विवरण निम्न है-

विज्ञान विद्याशाखा-

रसायन शास्त्र (बी0एस0सी0, द्वितीय वर्ष) के इकाई लेखन कार्य पूर्ण कर लिया गया है तथा संपादन कार्य प्रगति पर है।

भौतिकी (बी0एस0सी0, द्वितीय वर्ष) के इकाई लेखन कार्य 90 प्रतिशत पूर्ण कर लिया गया है तथा संपादन कार्य प्रगति पर है।

जीव विज्ञान (बी0एस0सी0, द्वितीय वर्ष) के इकाई लेखन कार्य पूर्ण कर लिया गया है तथा संपादन कार्य प्रगति पर है।

वनस्पति विज्ञान (बी0एस0सी0, द्वितीय वर्ष) के इकाई लेखन कार्य पूर्ण कर लिया गया है तथा संपादन कार्य प्रगति पर है।

भूगोल (बी0ए0/ बी0एस0सी0, द्वितीय वर्ष) के इकाई लेखन कार्य 99 प्रतिशत पूर्ण कर लिया गया है तथा संपादन कार्य प्रगति पर है।

इसके अतिरिक्त समाज कार्य, हिन्दी व अंग्रेजी विषय पाठ्यक्रम की अध्ययन सामग्री के संपादन का कार्य किया जा रहा है।

विश्वविद्यालय की अन्य विद्याशाखाओं द्वारा संचालित परास्नातक पाठ्यक्रमों जिसमें-

इतिहास विषय के द्वितीय वर्ष की स्वअध्ययन सामग्री के इकाई लेखन का कार्य 60 प्रतिशत पूर्ण कर लिया गया है ।

लोक प्रशासन के द्वितीय वर्ष की स्वअध्ययन सामग्री के इकाई लेखन का कार्य 60 प्रतिशत पूर्ण कर लिया गया है।

समाज शास्त्र के द्वितीय वर्ष की स्वअध्ययन सामग्री के इकाई लेखन का कार्य 80 प्रतिशत पूर्ण कर लिया गया है

होटल प्रबंध के द्वितीय वर्ष की स्वअध्ययन सामग्री के इकाई लेखन का कार्य 95 प्रतिशत पूर्ण कर लिया गया है।

प्रबंध अध्ययन विभाग के एम0बी0ए0 पाठ्यक्रम के चतुर्थ सेमेस्टर की स्वअध्ययन सामग्री के इकाई लेखन कार्य 60 प्रतिशत पूर्ण कर लिया गया है।

वाणिज्य विभाग के बी0कॉम0 पाठ्यक्रम के द्वितीय वर्ष की स्वअध्ययन सामग्री के इकाई लेखन कार्य पूर्ण कर लिया गया है तथा एम0 कॉम0 पाठ्यक्रम के द्वितीय वर्ष की स्वअध्ययन सामग्री के इकाई लेखन कार्य 85 प्रतिशत पूर्ण कर लिया गया है।

राजनीति विज्ञान के द्वितीय वर्ष की स्वअध्ययन सामग्री के इकाई लेखन का कार्य 70 प्रतिशत पूर्ण कर लिया गया है।

विश्वविद्यालय की विद्याशाखाओं द्वारा संचालित स्नातक पाठ्यक्रमों जिसमें-

गृह विज्ञान विषय के द्वितीय वर्ष की स्वअध्ययन सामग्री के इकाई लेखन का कार्य पूर्ण कर लिया गया है तथा संपादन कार्य किया जा रहा है।

प्रवेश

दिनांक 1 जून, 2018 से ग्रीष्मकालीन सत्र 2018 के द्वितीय व तृतीय वर्ष के पाठ्यक्रमों के प्रवेश प्रारम्भ किये जा चुके है। जिसमें अद्यतन 211 विद्यार्थियों द्वारा प्रवेश लिया गया है। UGC, DEB द्वारा आकादमिक सत्र 2018-19 से संचालित किये जाने वाले पाठ्यक्रमों की मान्यता हेतु देश के विभिन्न मुक्त विश्वविद्यालयों व दूरस्थ शिक्षण संस्थानों से आवेदन मांगे गये थे जिसे विश्वविद्यालय द्वारा 2018-19 से संचालित किये जाने वाले पाठ्यक्रमों की मान्यता हेतु गत माह आवेदन कर दिया गया है।

विश्वविदयालय द्वारा प्रस्तावित सभी पाठ्यक्रमों को शुरू किये जाने के सम्बन्ध में UGC-DEB से प्राप्त दिशा-निर्देशानुसार दिनांक 06/07/2018 को UGC-DEB, नई दिल्ली में विश्वविद्यालय के प्रतिनिधियों द्वारा इंटरफ़ेस मीटिंग में प्रतिभाग किया जाएगा| इस इंटरफ़ेस मीटिंग के उपरान्त UGC-DEB से प्राप्त होने वाले दिशा-निर्देशों के अनुसार ही विश्वविद्यालय सभी प्रस्तावित पाठ्यक्रमों में प्रवेश की प्रक्रिया प्रारम्भ की जाएगी|

पीएच.डी. पाठ्यक्रम (मौखिकी)

- पत्रकारिता एवं मीडिया अध्ययन विभाग के शोधार्थी **श्री विपिन चन्द्रा** (नामांकन संख्या 12027658) के शोध शीर्षक **"समाचार पत्रों के माध्यम से सरकार के छवि निर्माण में सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग का योगदान"** दिनांक 14 जून 2018 को पूर्वाह्न 11:30 बजे विश्वविद्यालय सभागार में आयोजित की गई। मौखिकी हेतु प्रो. ओम प्रकाश सिंह, निदेशक,

पत्रकारिता एवं मीडिया अध्ययन विद्याशाखा एम.जी. काशी विद्यापीठ वाराणसी, यू.पी बाह्य परीक्षक के रूप में उपस्थित रहे।

- हिन्दी विभाग के शोधार्थी श्री दिनेश चन्द्र कर्नाटक (पंजीकरण संख्या 12027922) के शोध शीर्षक **"समकाली हिन्दी कहानी का विवेचनात्मक अध्ययनः युवा कहानीकारों के सन्दर्भ में"** के लिए मौखिकी दिनांक 26/06/2018 को प्रातः 11:30 बजे विश्वविद्यालय सभागार में आयोजित की गई। मौखिकी हेतु प्रो. सत्यकम निदेशक, हिंदी विभाग, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, मैदान गढ़ी दिल्ली 110068 बाह्य परीक्षक के रूप में उपस्थित रहे।
- शिक्षक शिक्षा विभाग के शोधार्थी **सुश्री ममता कुमारी** (पंजीकरण संख्या 12028046) शोधार्थी शिक्षक शिक्षा विभाग के शोध शीर्षक **"Study of Resolution of Eriksonian Life Crises and Emotional Intelligence Related Abilities of Adolescent Students in Relation to Their Hemispheric Preferences, Sensory Preferences and Some other Specific Variables"** की मौखिकी दिनांक 28/06/2018 को प्रातः 11:30 बजे विश्वविद्यालय सभागार में आयोजित की गई। मौखिकी हेतु प्रो. पी. के. साहू, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद यू.पी बाह्य परीक्षक के रूप में उपस्थित रहे।

भारतीय शिक्षा का सम-सामयिक परिदृश्य पर व्याख्यान

"भारतीय शिक्षा का सम-सामयिक परिदृश्य" विषय पर आयोजित विशिष्ट व्याख्यान में बोलते हुए भारतीय शिक्षण मंडल के राष्ट्रीय संगठन मंत्री मुकुल कानितकर ने कहा कि आजकल अध्ययन बंद हो गया है बस रटना रह गया है। उन्होंने गुरूकुल शिक्षा प्रणाली को सर्वश्रेष्ठ बताते हुए इसे आगे बढ़ाने का आह्वान किया।

व्याख्यान देते श्री मुकुल कानितकर जी

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में बोलते हुए मुकुल कानितकर ने कहा कि गुरूकुल शिक्षा प्रणाली जीवन की शिक्षा देती है। उन्होंने कहा कि अगर जीवन की शिक्षा होगी तो पूरा ज्ञान होगा, गुरूकुल शिक्षा प्रणाली को सर्वश्रेष्ठ बताते हुए उन्होंने कहा कि यह भविष्य की शिक्षा है और

सहज संस्कृत बोध का ऑनलाईन लोकार्पण करते हुए

आने वाले समय में सारा विश्व इसे स्वीकार करेगा। उन्होंने कहा कि भारत को इसका अग्रेसर बनना चाहिए। भारतीय शिक्षा व्यवस्था पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय शिक्षा व्यवस्था में आजकल अध्ययन बंद हो गया बस रटना रह गया, जिससे हम लोग संतुष्ट नही है, लेकिन दूसरी ओर दुनियां के देशों में हम अकाउण्टेंट दे रहे है, बड़े-बड़े अधिकारी दे रहे है। इसका कारण यह है कि हमारे पास अध्यात्मिक स्थिरता औऱ परिवार है, जिसके कारण हम सफल हो जाते है। उन्होंने कहा कि भारतीय शिक्षण मंडल इस पर वृहद रूप से कार्य कर रहा है।

मुकुल कानितकर ने आगे कहा भारत में अनुभुति को ज्ञान कहा जाता है, ज्ञान प्राप्ति बिना इन्द्रियों के नहीं हो सकती है। ज्ञान के लिए इन्द्रियों को संयमित किया जाता है और गुरूकुल शिक्षा पद्धति में यह व्यवस्था है। कार्यक्रम में भारतीय शिक्षण मंडल के ओमप्रकाश सिंह ने कहा कि शैक्षिक स्तर में सुधार लाने को शिक्षण मंडल कृत संकल्प है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. नागेश्वर राव ने कहा कि विचार व व्यवहार दोनों किसी व्यक्ति में है तो वह सफल है। उन्होंने कहा कि शिक्षा के स्तर में सुधार के लिए बृहद रूप से कार्य की आवश्यकता है और उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय इस ओर विशेष प्रयास कर रहा है। जबकि कुलसचिव प्रो. आरसी मिश्रा ने शिक्षा में सुधार के प्रयासों की सराहना की। संचालन डा. देवेश मिश्र द्वारा किया गया। इस मौके पर मुख्य वक्ता व कुलपति द्वारा संस्कृत विद्या शाखा की वेबसाइट का भी लोकार्पण किया गया।

विश्व पर्यावरण दिवस

विश्व पर्यावरण दिवस 2018 के अवसर पर 5 जून को उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के वन विभाग के साथ मिलकर विश्वविद्यालय परिसर में पौंधारोपण व इसके समीप के वन क्षेत्र से पॉलीथिन हटाने का कार्य सम्पन्न किया। इस बार विश्व पर्यावरण दिवस का थीम ‘प्लास्टिक प्रदूषण’ था।

पर्यावरण दिवस पर विश्वविद्यालय तथा वन विभाग के कर्मचारियों द्वारा पौंधारोपण कार्यक्रम

विश्वविद्यालय तथा वन विभाग के सौ से अधिक कर्मचारियों ने भाग लिया व विभिन्न प्रकार के पौंधे लगाए। इस अवसर पर कुलसचिव प्रोफेसर आर0 सी0 मिश्र ने अपने सम्बोधन में कहा कि विश्व से प्रदूषण कि मुक्ति तभी सम्भव है जब प्रत्येक व्यक्ति अपने-अपने स्तर पर पौधारोपण का कार्य करे। वन विभाग के डी.एफ.ओ. श्रीमती कल्याणी ने अपने वक्तव्य में कहा कि हम अपने आस-पास की सम्पूर्ण सफाई से ही पर्यावरण को भी पूरी तरह साफ-सुथरा रख सकते है।

पौंधारोपण करते कुलसचिव, डी0एफ0ओ0 कल्याणी तथा अन्य कर्मचारी

दूरस्थ शिक्षा में गुणवत्ता

देश के दूरस्थ उच्च शिक्षण संस्थानों के मूल्यांकन व मान्यता हेतु परम्परागत विश्वविद्यालयों की भांति मापदंडो के निर्धारण हेतु सात केन्द्रों में इन मापदंडो के निर्धारण के लिए अलग अलग तिथियों में राष्ट्रीय स्तर की कार्यशालाएँ आयोजित की गई | इन कार्यशालाओं में देश के मुक्त विश्वविद्यालयों व शिक्षण संस्थानों के कुलपतियों व निदेशकों सहित सभी सम्बंधित हितधारकों द्वारा प्रतिभाग किया गया | इन कार्यशालाओं में निर्धारित सात मापदंडों, आधारभूत सूचकों व उनके लिए निर्धारित भारंकों पर मुक्त शिक्षण संस्थानों के परिपेक्ष्य में विचार विमर्श किया गया तथा आयोजित कार्यशालाओं की विस्तृत रिपोर्ट NAAC के प्रतिनिधियों को सौप दी गई | NAAC द्वारा इन विस्तृत रिपोर्टों का अध्ययन करने के पश्चात दूरस्थ उच्च शिक्षण संस्थानों के मूल्यांकन व मान्यता हेतु नियमावली को अन्तिम रूप दिया जायेगा |

यह सात कार्यशालाएँ देश के विभिन्न मुक्त विश्वविद्यालयों में आयोजित की गई | मा0 कुलपति जी द्वारा दिनांक 10 जून, 2018 से 26 जून, 2018 तक देश के विभिन्न राज्यों के मुक्त विश्वविद्यालयों में आयोजित कार्यशालाओं में अध्यक्ष के रूप में प्रतिभाग किया गया। प्रोफेसर आर0 सी0 मिश्र, निदेशक, वाणिज्य विज्ञान विद्याशाखा/कुलसचिव द्वारा दिनांक 12 जून, 2018 को NAAC, बैगलुरू के तत्वाधानों में उडीसा राज्य मुक्त विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर में दूरस्थ विश्वविद्यालयों व संस्थानों के नैक मान्यता हेतु बनाये जाने वाले मापदंडों के सम्बन्ध में आयोजित कार्यशाला में सदस्य के रूप में प्रतिभाग किया गया। डॉ0 गगन सिंह, सहायक प्रध्यापक, वाणिज्य द्वारा दिनांक 26 जून, 2018 को NAAC, बैगलुरू के तत्वाधानों में डॉ0 बाबा साहेब अम्बेडकर मुक्त विश्वविद्यालय, अहमदाबाद, गुजरात में

दूरस्थ विश्वविद्यालयों व संस्थानों के नैक मान्यता हेतु बनाये जाने वाले मापदंडों के सम्बन्ध में आयोजित कार्यशाला में सदस्य के रूप में प्रतिभाग किया गया। डॉ0 जीतेन्द्र पाण्डे, सहायक प्रध्यापक, कम्प्यूटर विज्ञान द्वारा दिनांक 10 जून, 2018 को NAAC, बैगलुरू के तत्वाधानों में नेताजी सुभाष मुक्त विश्वविद्यालय, कोलकाता में दूरस्थ विश्वविद्यालयों व संस्थानों के नैक मान्यता हेतु बनाये जाने वाले मापदंडों के सम्बन्ध में आयोजित कार्यशाला में सदस्य के रूप में प्रतिभाग किया गया। डॉ0 मंजरी अग्रवाल, सहायक प्रध्यापक, प्रबंध अध्ययन द्वारा दिनांक 23 जून, 2018 को NAAC, बैगलुरू के तत्वाधानों में डॉ0 बी0आर0 अम्बेडकर मुक्त विश्वविद्यालय, हैदराबाद में दूरस्थ विश्वविद्यालयों व संस्थानों के नैक मान्यता हेतु बनाये जाने वाले मापदंडों के सम्बन्ध में आयोजित कार्यशाला में सदस्य के रूप में प्रतिभाग किया गया।

MOOC के अंतर्गत संचालित किये जाने वाले पाठ्यक्रम

विश्वविद्यालय द्वारा पर्यटन, हिन्दी, संस्कृत एवं ज्योतिष विषयों की महत्ता को ध्यान में रखते हुए पर्यटन विभाग हिन्दी विभाग, संस्कृत विभाग व ज्योतिष विभाग द्वारा संबंधित विषयों के प्रति जागरूकता व जानकारी प्रदान किये जाने हेतु Moodle MOOC के अंतर्गत पाठ्यक्रमों का निर्माण किया जा रहा है| इन पाठयक्रमों की सहायता से छात्र पर्यटन, हिन्दी, संस्कृत व ज्योतिष से संबंधित महत्वपूर्ण विषयों के बारे में जान सकेंगे |

हैलो हल्द्वानी से जून माह में प्रसारित कार्यक्रम

हैलो हल्द्वानी ने जून माह में निम्न कार्यक्रम प्रसारित किए।

1- कार्यक्रम- चर्चा में, वार्ताकार- सुनीता भास्कर, मेहमान- श्रीकांत चंदोला (पूर्व मुख्य वन संरक्षक)
2- कार्यक्रम- मुलाकात, वार्ताकार- भूपेन सिंह मेहमान- कल्याणी नेगी (डीएफओ तराई वन प्रभाग)
3- कार्यक्रम- चर्चा में, वार्ताकार- सुनीता भास्कर, मेहमान- भूपेन सिंह, डा. लता जोशी
4- कार्यक्रम- चर्चा में, वार्ताकार- सुनीता भास्कर, मेहमान- सरताज आलम (सामाजिक कार्यकर्ता)
5- कार्यक्रम- चर्चा में, वार्ताकार- सुनीता भास्कर, मेहमान- अतीस असलम (इन्द्रानगर निवासी)
6- कार्यक्रम- चर्चा में, वार्ताकार-सुनीता भास्कर, अनिल नैलवाल, राकेश रयाल, योगेश जोशी
7- कार्यक्रम- चर्चा में, वार्ताकार- सुनीता भास्कर, मेहमान- भावना रावत (आशा आर्दश महिला विकास समिति की ओनर)
8- कार्यक्रम- चर्चा में, वार्ताकार- सुनीता भास्कर, मेहमान -प्रो.ए के मिश्रा (राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान हरियाणा के सीनियर साइंटिस्ट)

9- कार्यक्रम- चर्चा में, वार्ताकार- सुनीता भास्कर, मेहमान- डा. केके मिश्रा(वाइल्ड लाइफ वॉयोलाजिस्ट)

10- कार्यक्रम- चर्चा में, वार्ताकार- सुनीता भास्कर, मेहमान- आशुतोष कांडपाल (फाउंडर हिल्स टू होम वेबसाइट)

11- कार्यक्रम- चर्चा में, वार्ताकार- सुनीता भास्कर, मेहमान- आशुतोष भाकुनी (प्रथम संस्था)

12- कार्यक्रम- चर्चा में, वार्ताकार- सुनीता भास्कर, मेहमान- दिनेश कर्नाटक (शिक्षक)

13- कार्यक्रम- चर्चा में, वार्ताकार- सुनीता भास्कर, मेहमान- जगदीश जोशी (कुमाउंनी कवि)

14- कार्यक्रम- मुलाकात, वार्ताकार- भूपेन सिंह, मेहमान- मंजीरा (आई टी एक्सपर्ट)

15- कार्यक्रम- चर्चा में, वार्ताकार- सुनीता भास्कर, मेहमान- चंदन भट्ट व ममता गहतोड़ी (पहाड़ में शिक्षक)

16- कार्यक्रम- चर्चा में, वार्ताकार- सुनीता भास्कर, मेहमान- आस्था, प्रदीप चोपड़ा (ध्रुपद गायक)

17- कार्यक्रम- मुलाकात, वार्ताकार- भूपेन सिंह मेहमान- कमल पाठक, लक्ष्मण सिहं खाती

18- कार्यक्रम- चर्चा में, वार्ताकार- सुनीता भास्कर, मेहमान- लक्ष्मण सिंह खाती

19- कार्यक्रम- हैल्दी हल्द्वानी, वार्ताकार- अनिल नैलवाल, मेहमान- एच एस बिष्ट, केसी पांडे (डाक्टर)

20- कार्यक्रम- चर्चा में, वार्ताकार- सुनीता भास्कर, मेहमान- भूपेन सिंह, डा. लता जोशी

21- कार्यक्रम- चर्चा में, वार्ताकार- सुनीता भास्कर, मेहमान- भानू जोशी (योग शिक्षक)

22- कार्यक्रम- चर्चा में, वार्ताकार- सुनीता भास्कर, अनिल नैलवाल, योगेश जोशी, राकेश रयाल

23- कार्यक्रम- राजेन्द्र कैड़ा, पत्रकार, साहित्यकार, लेखक राजकिशोर को श्रद्धांजलि

24- कार्यक्रम- मुलाकात, वार्ताकार- भूपेन सिंह, मेहमान- सुनील, कपिल, गौतम

25- कार्यक्रम- बातों ही बातों में, वार्ताकार- अनिल नैलवाल व योगेश जोशी

कुछ खास कार्यक्रमों की प्रमुख सुर्खिया-

विश्व पर्यावरण दिवस पर विशेष
रोगों से बचना है तो प्लास्टिक से रहें दूर
प्लास्टिक पॉल्यूशन की गिरफ्त में हल्द्वानी

बीट प्लास्टिक पॉल्यूशन को लेकर हैलो हल्द्वानी द्वारा कई स्तरों पर काम किया गया। हम देखते हैं कि प्लास्टिक न चाहते हुए भी हमारी दिनचर्या में किस तरह घुल मिल गया है। हमारे घर में दैनिक इस्तेमाल की चीजों से लेकर दफ्तर तक में प्लास्टिक हमारे साथ साये की तरह लगा हुआ है और उसके परिणाम भी हमें प्रत्यक्ष ही दिखाई दे रहे हैं। कैसंर जैसी रेयर बीमारी आज महामारी में तब्दील होते जा रही है। पर्यावरण दिवस के बहाने प्लास्टिक और हमारा परिवेश को लेकर हमने कुछ कार्यक्रम तैयार किए साथ ही हल्द्वानी शहर में कूड़े की व्यवस्था को लेकर भी काम किया गया। पूरे नैनीताल जनपद का कूड़ा जिस इन्द्रानगर व बनभुलपुरा की सवा लाख की आबादी के सामने इक्ठ्ठा किया जाता है उनसे जाकर हमने बात की और उनके जीवन के उन अनचाहे पहलुओँ पर बात की जो कि कूड़ा घर बनने के बाद से वह सफर कर रहे हैं। जिस कूड़े को हम घर में एक दिन बर्दाश्त नहीं कर पाते सोचते हैं कूड़ा गाड़ी आए और किसी तरह

ये भरा हुआ कूड़ा खाली हो उसी के समानांतर एक बड़ी आबादी एसी भी हो जो दिन रात उस कूड़े के ढेर में जी रही है। इसके अलावा वन विभाग के पूर्व मुख्य वन संरक्षक श्रीकांत चंदोला जी से हमने बात की उन्होंने बताया कि तापमान जिस गति से बढ़ रहा है आने वाले वर्षों में जीना बहुत मुश्किल होता जाएगा इसलिए एक ही चारा है हम खूब पेड़ लगाएँ। हल्द्वानी शहर का हमने सर्वे किया कि यहां डिपार्टमेंटल स्टोर व माल आ जाने के बाद से किस तरह प्लास्टिक पाल्यूशन मे इजाफा हुआ है। लोगों की फास्ट लाइफ ने उन्हें फास्ट फूड की तरफ धकेला है और फास्ट फूड जिस तरह के पलास्टिक डब्बों में आता है उसकी संख्या अब बहुत बढ़ रही है। इसके अलावा आशा आदर्श महिला विकास समिति के तहत शहर में कूड़ा उठाने की गाड़ियां चलाने वाली भावना रावत से हमने बात की जिसने अपने दम पर हल्द्वानी की सफाई का बीड़ा उठाया और घर घर जाकर लोगों को कन्वेंस किया कि मात्र 60 रूपये में वो अपने महीने भर को कूडा अपने आसपास न डालकर गाड़ी में डालें। शुरु में जब उन्होंने शहर में कूड़े की गाड़ियां चलाने की शुरुआत की तो बहुत उपेक्षा उन्हें झेलनी पड़ी। नाते रिश्तेदारों मे मुंह मोड़ लिया। ताने कसने लगे कि ये स्वीपर का काम कर रही है। लोग कूड़े वाली की उपाधि से नवाजते थे। घर घर से कूड़ा उठाने वाली कहने लगे। भावना कहती हैं कि जबकि उन्होंने इस छोटे से उद्योग से कुछ लोगों को रोजगार तो दिया है साथ ही हल्द्वानी शहर के लोगों को मानसिक रूप से तैयार किया कूड़े को कूड़ा गाड़ी में डालने के बाबत।

पर्यावरण दिवस के बहाने प्लास्टिक पाल्यूशन पर हमने निम्न कार्यक्रम निर्माण किए-

1- कार्यक्रम- चर्चा में, वार्ताकार- सुनीता भास्कर, मेहमान- श्रीकांत चंदोला (पूर्व मुख्य वन संरक्षक)

2- कार्यक्रम- मुलाकात, वार्ताकार- भूपेन सिंह मेहमान- कल्याणी नेगी (डीएफओ तराई वन प्रभाग)

3- कार्यक्रम- चर्चा में, वार्ताकार- सुनीता भास्कर, मेहमान- भूपेन सिंह, डा. लता जोशी

4- कार्यक्रम- चर्चा में, वार्ताकार- सुनीता भास्कर, मेहमान- सरताज आलम (सामाजिक कार्यकर्ता)

5- कार्यक्रम- चर्चा में, वार्ताकार- सुनीता भास्कर, मेहमान- अतीस असलम (इन्द्रानगर निवासी)

6- कार्यक्रम- चर्चा में, वार्ताकार-सुनीता भास्कर, अनिल नैलवाल, राकेश रयाल, योगेश जोशी

7- कार्यक्रम- चर्चा में, वार्ताकार- सुनीता भास्कर, मेहमान- भावना रावत (आशा आर्दश महिला विकास समिति की ओनर)

दुधारु पशुओं की देशी नस्लों की तरफ फिर लौटा भारत

बोला औषधीय गुणों से भरपूर है देशी नस्ल के पशुओँ का दूध

एक जून को पूरी दुनिया में विश्व दुग्ध दिवस मनाया गया। हैलो हल्द्वानी ने भी भारत में दुध के उत्पादन को जानने समझने के लिए सरकार की पशुधन को लेकर नई योजनाओँ की जानकारी को लेकर कार्यक्रमों का निर्माण किया। जिसके तहत राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान हरियाणा के सीनियर साइंटिस्ट डा. ए के मिश्रा जी से फोऩ इन कार्यक्रम के तहत बातचीत की गई। उन्होंने विस्तार से दूध उत्पादन की स्थिति भारत में देशी व विदेशी नस्ल के पशुओँ की स्थिति पर अपनी बात रखी। मालूम हुआ कि सरकार देशी नस्ल की तरफ फिर से लौटी है और उन्हें बढ़ावा देने के लिए नई नई योजनाओं पर अमल कर रही है। साथ ही हमने भारत में दुधारु पशुओँ की स्थिति को वन्य जीवों के नजरिये से भी अपने श्रोताओँ के सामने रखा। लखीमपुर खीरी में वाइल्ड लाइफ बॉयोलाजिस्ट डा. केके मिश्र ने इस

बाबत बहुत सी जानकारियां व एतिहासिक संर्दभ दिए। दुग्ध दिवस के अवसर पर उन्होंने बताया कि कब सभ्यता के विकास के साथ मनुष्य ने मैमल्स का दूध पीना शुरु किया। कैसे हमारा शरीर दूध को डाइजेस्ट करता है क्या फार्मेशन होता है शरीर में दूध को लेकर ये तमाम वैज्ञानिक जानकारियां उन्होंने हमसे साझा की। उन्होंने देशी गायों की नस्ल को उन्नत किये जाने की जरूरत बताई और कहा कि देशी नस्ल की गाय का दूध औषधीय गुणों से भरपूर है वहां हाइब्रिड गाय का दुध उत्पादन तो बढ़िया है लेकिन उस दूध में वो गुणवत्ता नहीं है। दुग्ध दिवस को लेकर निम्न दो कार्यक्रमों का निर्माण किया गया।

कार्यक्रम- चर्चा में, वार्ताकार- सुनीता भास्कर, मेहमान -प्रो.ए के मिश्रा (राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान हरियाणा के सीनियर साइंटिस्ट)

कार्यक्रम- चर्चा में, वार्ताकार- सुनीता भास्कर, मेहमान- डा. केके मिश्रा(वाइल्ड लाइफ वॉयोलाजिस्ट

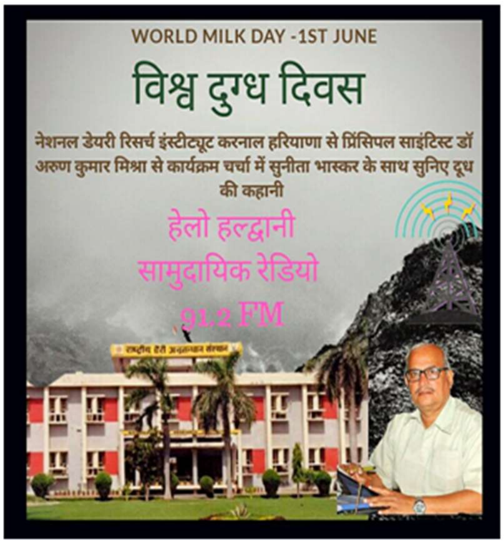

(हैलो हल्द्वानी से सम्बन्धित कार्यक्रमों की विस्तृत रिपोर्ट संलग्न है। संलग्नक- क)

अकादमिक गतिविधियॉ

- दिनांक 23/5/2018 से 20/6/2018 तक विश्वविद्यालय की डॉ0 सीता, सहायक प्राध्यापक, मनोविज्ञान द्वारा UGC, HRDC कुमांऊ विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित आयोजित ओरिएण्टेशन कार्यक्रम-39 में प्रतिभाग किया गया है।
- दिनांक 22/6/2018 से 12/7/2018 तक विश्वविद्यालय के डॉ0 मदन मोहन जोशी, सहायक प्रध्यापक, इतिहास, डॉ0 दीपक पालीवाल, सहायक प्राध्यापक, सहायक प्राध्यापक, समाजशास्त्र, डॉ0 नीरजा सिंह, सहायक प्राध्यापक, समाज कार्य एवं सुश्री ममता कुमारी, सहायक प्राध्यापक, शिक्षाशास्त्र द्वारा UGC, HRDC कुमांऊ विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित आयोजित समर स्कूल कार्यक्रम में प्रतिभाग किया जा रहा है।

- मा0 कुलपति द्वारा दिनांक 5 एवं 7 जून, 2018 को शिक्षा संस्कृति न्यास की वार्षिक, राष्ट्रीय शैक्षिक कार्यशाला जो कि पार्वती प्रेमा जगाती सरस्वती विहार दुर्गापुर, नैनीताल में आयोजित की गई, में प्रतिभाग किया गया। कार्यशाला में देशभर के विश्वविद्यालयों के कुलपति, भारत सरकार के केंद्रीय संस्थानों के अधिकारियों व शिक्षाविदों द्वारा भागीदारी की गई।
- निदेशक, शोध एवं नवाचार द्वारा दिनांक 11 जून, 2018 को देहारदून में विभिन्न विभागों के अधिकारियों/कर्मचारियों के कौशल विकास हेतु Refresher Course के सम्बन्ध में प्रभारी सचिव नियोजन उत्तराखण्ड शासन के द्वारा आयोजित बैठक में प्रतिभाग किया। जिसमें विश्वविद्यालय के विषय में विशेषज्ञता, विशेषज्ञों की उपल्बधता, प्रशिक्षण अवधि आदि के सम्बन्ध में प्रस्तुतीकरण दिया गया।
- माह जून, 2018 में उपरोक्त प्रमुख कार्यकलापों के अतिरिक्त नये सत्र 2018–19 के प्रवेश की तैयारियां, शिक्षकों द्वारा ईकाई लेखन, पाठ्यक्रमों में सुधार/संशोधन, अध्ययन सामग्री/पुस्तकों की संरचना/प्रकाशन आदि कार्य किये जा रहे है। विद्याशखाओं के शिक्षकों के व्याख्यानों की वीडियो रिकार्डिग, विद्यार्थियों तक पुस्तकों एवं पाठ्य सामग्री की आपूर्ति, सूचना का अधिकार कानून के अन्तर्गत सूचनाओं की आपूर्ति, विद्यार्थियों को वांछित प्रमाणपत्रों का अविलम्ब निर्गमन आदि कार्य संपन्न किये गये।
- दिनांक 25 जून 2018 को निदेशक, परिसर देहरादून को स्वदेशी जागरण मंच से जुडे कार्यकर्ताओं के द्वारा उनके प्रौद्योगिकी शिक्षा को आगे बढाने में दिये गये योगदान हेतु परिसर देहरादून कार्यालय में तुलसी का पौधा एवं श्रीमद्भगवद् गीता देकर सम्मानित किया गया।
- डॉ0 शशांक शुक्ला, सहायक प्रध्यापक, हिन्दी द्वारा लिखित आलेख 'विश्वविद्यालय का प्रोजेक्ट' शीर्षक हिन्दी अकादमी, दिल्ली की प्रतिष्ठित पत्रिका 'इन्द्रप्रस्थ भारती' में प्रकाशित हुआ।

(विश्वविद्यालय की गतिविधियों से संबंधित मीडिया कवरेज संलग्न है- ख)